
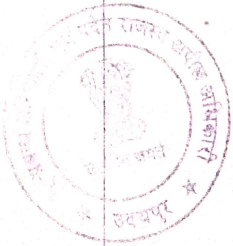


प्रकरण संख्या 27/2021 शान्तिलाल बनाम दिवाकर व अन्य

तारीख हुयम	हुयम पर कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुयम की तारीख में जारी हुए
06.02.2024	<p>प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि अधिनस्थ न्यायालय में हाल रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 ने एक वाद धारा 53 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का प्रस्तुत कर निवेदन किया कि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 से 3 शामिल आराजियात राजस्व ग्राम अनूपपुरा में आराजी नंबर 52/1 रकबा 52 बीघा 19 विस्वा भूमि स्थित है, जिसमें वादी का 280/1059 हिस्सा अर्थात 14 बीघा है। उक्त भूमि मौके पर बटी होकर पक्षकारान उसी अनुसार काबिज है, परन्तु विधिवत विभाजन नहीं होने से भूमि सुधार एवं ऋण आदि में असुविधा होती है। अतः विवादित भूमि का मीट्स एण्ड वाउण्ड्स विभाजन किया जाकर वादी का का 280/1059 हिस्सा अर्थात 14 बीघा स्वतंत्र रूप से दर्ज किया जावे।</p> <p>अधिनस्थ ने अपने निर्णय दिनांक 07.08.2019 से वादी का वाद स्वीकार कर प्रारम्भिक डिक्री जारी की, तत्पश्चात् प्राप्त विभाजन प्रस्ताव के आधार पर दिनांक 17.08.2020 को अंतिम डिक्री जारी की, जिससे रूष्ट होकर अपीलान्त/प्रतिवादी संख्या 3 द्वारा इस न्यायालय में यह अपील दिनांक 03.11.2021 को प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>अपील दर्ज रजिस्टर किया जाकर रेस्पोंडेन्टगण को नोटिस जारी किये जाने पर रेस्पोंडेन्ट संख्या 4 की ओर से पैराकार सरकार उपस्थित हुए, जबकि रेस्पोंडेन्ट बावजूद सूचना अनुपस्थित रहे। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की जाकर उभयपक्ष की बहस सुनी गयी।</p> <p>अभिभाषक अपीलान्त ने अपील के साथ दफा 5 जाब्ता मियाद का आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया कि अधिनस्थ न्यायालय के निर्णय व डिक्री दिनांक 17.08.2020 की जानकारी उन्हें दिनांक 08.10.2021 को तब हुई जब रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 अपने तीन-चार साथियों के साथ मौके पर कब्जा करने आये। अतः अपील प्रस्तुत करने में हुई देरी को क्षमा करते हुए अपील अन्दर अवधि शुमार की जावे। तार्ईद में शपथ पत्र भी पेश किया।</p> <p>हमने उक्त आवेदन का अवलोकन कर उभयपक्ष की बहस पर मनन किया। अखण्डित शपथ पत्र, व्यक्त कारण एवं प्रकरण के गुणावगुण पर निर्णय करने के दृष्टिगण न्यायहित में मयाद कण्डोन की जाकर अपील श्रवणार्थ ग्रहण की जाती है।</p> <p>विद्वान अभिभाषक अपीलान्त ने अपील मीमों में वर्णित तथ्यों को पुनः दोहराते हुए बताया कि वादी/रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 ने अपने वाद में कथन किया है कि मौके पर भूमि बटी हुई है केवल मात्र राजस्व रेकार्ड में भूमि का अलग-अलग इन्द्राज है। ऐसी स्थिति में स्वयं वादी/रेस्पोंडेन्ट के कथनानुसार भूमि का आपसी</p>	



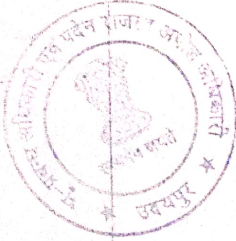
प्रकरण संख्या 27/2021 शान्तिलाल बनाम दिवाकर व अन्य

विभाजन पूर्व में हो चुका है तो एसी स्थिति में तहसीलदार का दायित्व था कि मौके पर पूर्ववर्ती कब्जे अनुसार मौका रिपोर्ट बनाकर अधिनस्थ न्यायालय में प्रस्तुत करते, लेकिन तहसीलदार ने जानबूझकर जानबूझकर कीमती भूमि रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 को दे दी है, जिसे अधिनस्थ न्यायालय ने सही मानकर निर्णय पारित करने में विधिक भूल की है। अतः अपील स्वीकार की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय व अंतिम निरस्त फरमायी जावे

विद्वान पैरोकार सरकार ने प्रकरण में राजकीय हित निहित नहीं होने से प्रकरण का निस्तारण गुणावगुण के आधार पर करने का निवेदन किया।

हमने उभयपक्षों की बहस पर मनन कर पत्रावली का अवलोकन किया। वादी/रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 ने अपने वाद में अंकित किया है कि मौके पर आराजी बटी हुई है एवं इसी अनुसार पक्षकारों के मध्य विभाजन किया जावे। किन्तु अपीलान्ट का कथन है कि तहसीलदार द्वारा मौके पर पक्षकारान के कब्जे को ध्यान में नहीं रखा गया है तथा तहसीलदार द्वारा अपनी मनमर्जी ने वादी को कीमती भूमि देकर बंटवारा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। हमने उक्त फर्द बंटवारे का अवलोकन किया तो पाया कि फर्द बंटवारे पर किसी भी पक्षकार के हस्ताक्षर नहीं है, जबकि विधि अनुसार फर्द बंटवारा सभी सहखातेदारों की उपस्थिति में तैयार किया जाना चाहिए। तदनुसार अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय व अंतिम डिक्री प्रथम दृष्टया त्रुटि पूर्ण होने से अपास्त योग्य है।

अतः अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का प्रकरण संख्या 121/2019 में पारित निर्णय डिक्री अंतिम दिनांक 17.08.2020 अपास्त की जाती है तथा पत्रावली अधिनस्थ न्यायालय को इन निर्देशों के साथ प्रतिप्रेषित की जाती है कि प्रकरण में तहसीलदार मौके पर पक्षकारान की उपस्थिति में फर्द बंटवारा तैयार कर अधिनस्थ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें। तत्पश्चात् अधिनस्थ न्यायालय यदि उक्त फर्द बंटवारे पर किसी पक्षकार को कोई आपत्ति है तो उसका निराकरण करते हुए पुनः नये सिरे से निर्णय पारित कर अंतिम डिक्री जारी करें। पक्षकारान अधिनस्थ न्यायालय में दिनांक 05.04.2024 को उपस्थित रहें। पत्रावली बाद पूर्ण प्रविष्टि नंबर से कम होकर दाखिल दफतर हो। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली लौटाई जावे। निर्णय आज दिनांक 06.02.2024 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(प्रदीप सिंह सांगावत)

भू-प्रबन्ध अधिकारी

एवं पदेन राजस्व अपील अधिकारी

उदयपुर